6. गिरिजाकुमार माथुर के 'धूप के धान' कविता संग्रह का परिचय दीजिए।

7. 'कुआनो नदी' का प्रतीकार्थ स्पष्ट करते हुए इसकी मूल चेतना को उद्घाटित कीजिए।

8. धर्मवीर भारती के कृतित्व पर टिप्पणी लिखिए।

9. सोहनलाल द्विवेदी के गीतों में शिल्प पक्ष पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10. नरेश मेहता के काव्य में अनुभूति एवं अभिव्यक्ति पक्ष का विवेचन कीजिए।

11. नवगीत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए सामान्य प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

12. समकालीन कविता के संदर्भ में अशोक वाजपेयी की कविता का मूल्यांकन कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) शमशेर बहादुर सिंह की कविता में मानव-प्रेम

(ब) सोहनलाल द्विवेदी के गीतों में राष्ट्रीय चेतना

(स) नई कविता

(द) 'कनुप्रिया' का कथ्य।

436

MAHD–08

June – Examination 2020

M.A. (Final) Examination

HINDI

आधुनिक हिन्दी कविता और गीत-परम्परा

Paper : MAHD-08

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(ii) 'लौट आओ धार' और 'सागर-तट' कविता-संग्रह किस कवि के हैं ?

(iii) भूल गलती कविता का भाव बोध लिखिए।

(iv) 'महाप्रस्थान' खण्ड-काव्य के किन्हीं **दो** सर्गों के नाम लिखिए।

(v) गिरिजाकुमार माथुर की कविता में सौन्दर्यबोध को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

(vi) 'खूँटियों पर टँगे लोग' कविता संग्रह के रचनाकार कवि का नाम बताइए।

(vii) 'घटा साँवरी' और 'बादर बरस गए' गीत-संग्रह के रचनाकार कौन हैं ?

(viii) रमानाथ अवस्थी के **दो** गीत-संग्रह के नाम लिखिए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

बुद्ध के स्तूप में
मानव के सपने
गड़ गए, गाड़े गए।
ईसा के पंख सब
झड़ गए, झाड़े गए।
सत्य की
देवदासी-चोलियाँ उतारी गईं
उघारी गयीं,

सपनों की आँतें सब
चीरी गईं, फाड़ी गयीं।
बाकी सब खोल है,
जिन्दगी में झोल है।

3. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जन-जन का जीवन गीत बने,
उठते स्वर का यह गीत नया।
हर चरणों की है चाप नयी,
हर मंजिल का संगीत नया।
जग की सीमाएँ बदल रहीं,
युग के हाथों में अग्नि शृंग।
नभ में रंगों की लहर चली,
तप की दीवारें हुई भंग।
इस नये ज्योति के घेरे में,
तप का साया डूब गया।

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नींद में तुम्हारे होंठ धीरे-धीरे हिलते हैं न्याय-अन्याय, सदसद्, विवेक-अविवेक-कसौटी क्या है ? आखिर कसौटी क्या है ? और लहरें थपकी देकर तुम्हें सुला देती हैं। सो जाओ योगिराज ..... जागरण स्वप्न है, छलना है, मिथ्या है।

5. 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' कविता की काव्य-संवेदना को स्पष्ट कीजिए।